समाजशास्त्र

SEM – 3

MJC

Date:- 29/10/25

Topic:– सामाजिक परिवर्तन :- अर्थ, परिभाषा

सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, समाज की संरचना, संस्थाओं, मूल्यों, विचारों, परंपराओं और सामाजिक संबन्धों में समय के साथ आने वाला परिवर्तन है यह समाज के जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करता है और एक सतत और सार्वभौमिक (Universal) प्रक्रिया है।

परिभाषा (Definition of Social change) :–

1. फिच्चर (Ficher) के अनुसार, " पहले की अवस्था से किसी नयी अवस्था में परिवर्तन को ही परिवर्तन कहा जाता है।

2. एम० ई० जोन्स (M.E Jones) के अनुसार " सामाजिक सामाजिक प्रतिमानों, सामाजिक अन्तःक्रियाओं या सामाजिक संगठन के किसी पक्ष में होने वाले बदलाव या रूपान्तर को सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।"

3. किंग्सले डेविस (Kingsley Davis) के अनुसार – " सामाजिक परिवर्तन हम केवल उन्हीं परिवर्तनों को समझते हैं, जो सामाजिक संगठन अर्थात सामाजिक ढांचे और प्रकार्यों में घटित होते हैं।

4 जॉन्सन के अनुसार " सामाजिक परिवर्तन लोगों के कार्य करने तथा विचार करने की पद्धतियों में कहकर रूपान्तरित किया जा सकता है।

इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि सामाजिक परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जिस प्रकार भौतिक जगत में परिवर्तन होता है, उसी प्रकार समाज में भी निरंतर परिवर्तन होते रहते हैं। मनुष्य के जीवन की प्रारंभिक अवस्था से लेकर आधुनिक युग तक समाज के अनेक रूपों में परिवर्तन हुए हैं– विचार, मूल्य, परंपराएँ, जीवन के तरीके सभी समय के साथ बदलते रहते हैं।

by – Dr. Sangeeta Prakash

Officer

Scanned with CamScanner